पाठ्यक्रम के प्रकार
(TYPES OF CURRICULUM)

सभी प्रतिमानो एवं दृष्टिकोणो के आधार पर पाठ्यक्रम के निम्न प्रकार हैं।

(i) विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम (Subject centred Curriculum)
(ii) परम्परागत पाठ्यक्रम
(iii) बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम
(iv) क्रिया केन्द्रित पाठ्यक्रम
(v) अनुभव केन्द्रित पाठ्यक्रम
(vi) व्यवसाय केन्द्रित पाठ्यक्रम
(vii) सम्बन्धित सामान्य पाठ्यक्रम
(viii) एकीकृत पाठ्यक्रम
(ix) समस्या आधारित पाठ्यक्रम
(x) पूर्वनिर्धारित मुक्त पाठ्यक्रम

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम—

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम में विषय को आधार मानकर पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाता है। विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम का प्रचलन ग्रीक तथा रोम के विद्यालयों में प्रारम्भ हुआ।

— — — —

Scanned with CamScanner

इसमें सभी विषयों के ज्ञान को पृथक - 2 रूप में पुस्तक के रूप में तैयार कर लिया जाता है अतः विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम को पुस्तक केन्द्रित पाठ्यक्रम भी कहा जाता है। हमारे देश में प्रायः विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम का ही प्रचलन है।

1) शास्त्रीय पाठ्यक्रम (Classical Curriculum) यह पाठ्यक्रम शिक्षा के प्रति परम्परागत दृष्टिकोण रखता है। इसमें आध्यात्मिक एवं नैतिक जीवन के पाठ्यक्रम पर बल दिया जाता है। प्राचीन यूनान के विद्यालय तथा भारतीय गुरुकुलों ने इस पाठ्यक्रम का सूत्रपात किया। वर्तमान समय में इस पाठ्यक्रम का उपयोग सामान्य विद्यालयों में नहीं रह गया है। कुछ विशिष्ट विद्यालय (गुरुकुल, अरबी मदरसों, तथा संस्कृत पाठशाला) में ही देखने को मिलता है।

(iii) बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम (Child-centred curriculum)

शिक्षा मे बढ़ती हुयी वैज्ञानिक (मनो वैज्ञानिक) प्रवृत्ति के परिणाम स्वरूप बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम का प्रचलन हो गया है। इस पाठ्यक्रम का आयोजन बालक को केन्द्र मानकर किया जाता है।

पाठ्यक्रम का संगठन बालक की प्रकृति, आवश्यकता एवं रुची के आधार पर किया जाता है।

बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम का सूत्रपात जान डीवी के लैबोरेटरी स्कूल से हुआ।

" बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम वह है जो पूर्णतः और समग्र रूप मे सीखने वाले मे निहित है।
— James M. Lee.

बालकेन्द्रित पाठ्यक्रम की विशेषताएं :-

(i) यह पाठ्यक्रम क्रियात्मक (Functional) है।
(ii) यह बालकों पर सीखने का उत्तरदायित्व डालता है।
(iii) आधुनिक शिक्षण पद्धतियो, जैसे - मांटेसरी, किण्डरगार्टेन, आदि का आधार बाल केन्द्रित पाठ्यक्रम ही है।